

## माँ कर सोल्हा शृंगार में उत्सव मनाऊंगी

हाथ में राचणी मेहँदी मैं आज रचाऊ गी,  
माँ कर सोल्हा शृंगार में उत्सव मनाऊंगी,

घर का कोना कोना मैंने आज सजवाया,  
दादी को जो लागे सुंदर वो हार बनवाया,  
आजाओ दादी मैया मैं ज्योत जगाऊंगी,  
माँ कर सोल्हा शृंगार में तुझे रिजाऊंगी

मेरी खुशी का माया सागर झलक गया,  
बन गई मैं बड़भागान तेरा साथ मिल गया,  
जी भर के बधाई बांटो खुशियां लुटाऊ गी,  
माँ कर सोल्हा शृंगार में तुझे सजाऊंगी,

सब कुछ तुम्ही से दादी है इस संसार में,  
जो कुछ भी मैंने पाया सब तेरे प्यार में,  
गोपाल तेरे गुण गाये मैं रास रचाऊ गी,  
माँ कर सोल्हा शृंगार में तुझे रिजाऊंगी

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15827/title/maa-kar-solha-shingar-main-utsav-mnaaugi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |